प्रेस विज्ञप्ति

अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस), मुंबई और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र ने पटना विश्वविद्यालय के व्हीलर सीनेट हॉल में 13.02.2020 को "जनसंख्या, स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य: प्रदर्शन और प्राथमिकताएं नीतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस (IIPS), मुंबई और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र (PRC), पटना विश्वविद्यालय के सहयोग से "जनसंख्या, स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य: प्रदर्शन और प्राथमिकता नीतियाँ" नामक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बिहार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नंदन वर्मा द्वारा 13.02.2020 को विश्वविद्यालय के व्हीलर सीनेट हॉल में किया गया था। संगोष्ठी की शुरुआत पटना विश्वविद्यालय के कुलजीत के गायन से हुई, इसके बाद संगीत विभाग, पटना विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा एक उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रो० रास बिहारी प्रसाद सिंह और प्रो० डॉली सिन्हा केद्वारा किया गया।

प्रो० के. एस. जेम्स, निदेशक और प्रोफेसर, आईआईपीएस, मुंबई, ने मंच पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ, आईआईपीएस द्वारा वित्त पोषित परियोजना के फैक्ट-शीट को जारी किया, जिसका शीर्षक था "मध्यम गंगा के मैदान से पलायन के कारण और परिणाम"।

प्रो० के० एस० जेम्स द्वारा उद्घाटन भाषण में माप की वास्तविक शर्तों और जनसंख्या स्वास्थ्य और स्थायी लक्ष्यों के बारे में इसकी प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य, प्रोफेसर डी० ए० नागदेव, आईआईपीएस ने विकासशील देशों में जनसंख्या अध्ययन की उपयोगिता की भी वकालत की।

उद्घाटन सत्र में, शिक्षा मंत्री श्री के० एन० पी० वर्मा ने कहा कि न केवल बिहार बल्कि भारत के पूरे राज्य जनसंख्या विस्फोट के कारण समस्या का सामना कर रहे थे। ऐसी परिस्थितियों में, पटना विश्वविद्यालय ने एक प्रासंगिक संगोष्ठी का आयोजन किया, जो नीति निर्माण कार्य के लिए डेटा में मदद करे, जो कन्या उत्थान योजना और बिहार में शुरू की गई ऐसी अन्य योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो लैंगिक समानता और महिलाओं के विकास के युग की शुरुआत करती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि संगोष्ठी में विद्वानों के विचार-विमर्श और अभिनव विचारों के माध्यम से जनसंख्या अध्ययन के क्षेत्र में नई दिशाओं की ओर मार्ग प्रशस्त करेगी। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० आर० बी० पी० सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी प्रतिनिधियों और आईआईपीएस के सदस्यों का संगोष्ठी में स्वागत किया। उन्होंने इस दिन को विश्वविद्यालय के लिए गर्व और यादगार दिनों में से एक के रूप में चिह्नित किया क्योंकि पहली बार आईआईपीएस, मुंबई के सहयोग से जनसंख्या अध्ययन पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह जनसंख्या केंद्र, पटना यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलर्स और छात्रों को एक नया दिशा देगा । उन्होंने आशा कि संगोष्ठी के दौरान विद्वतापूर्ण बातचीत स्थायी विकास से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित है जिसमें मानव और प्रकृति दोनों महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने एक सक्रिय एजेंट के रूप में हमारे भविष्य को बनाने में मातृ प्रकृति और मानव सभ्यता के योगदान के बीच परस्पर क्रिया पर चर्चा की। गुणवत्ता स्वास्थ्य मानव जाति का हक है। उन्होंने सुझाव दिया कि संगोष्ठी नीतियों को बनाने में सक्षम होगी ताकि भारतीय आबादी का लाभ पिरामिड के निचले हिस्से तक पहुंच जाए। अपने उद्घाटन भाषण में, आईआईपीएस के

निदेशक और प्रोफेसर केoएसo जेम्स ने विद्वानों और वैज्ञानिकों को अधिक उपयोगिता के आंकड़ों को पकड़कर नीतियों की प्राप्ति के लिए अधिक यथार्थवादी लक्ष्यों की पहचान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेमिनार और कार्यशालाएँ सूचनाओं के प्रसार और जागरूकता पैदा करने में मदद करती हैं। उन्होंने बिहार में स्थित जनसंख्या विज्ञान के विद्वानों के स्कोर को प्रेरित करने के लिए माननीय मंत्री और कुलपति को धन्यवाद दिया।

प्रोo डीo एo नागदेव, आईआईपीएस, मुंबई, ने भारत में मृत्यु दर और प्रजनन दर की चुनौतियों को कम करने के लिए उचित नीतियों को तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संगोष्ठी बौद्धिक विचार-विमर्श के लिए आवश्यक उचित डेटा प्रदान करने में मदद करेगी। पटना विश्वविद्यालय के प्रोo वाइस चांसलर प्रोo डॉली सिन्हा ने जनसंख्या अध्ययन पर राष्ट्रीय महत्व के सेमिनार आयोजित करने में सक्षम होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और संगोष्ठी के आयोजन समिति की ओर से किए गए ईमानदार प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगोष्ठी भारत सहित साउथ ग्लोबल के विकास के लिए शुरू की जाने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए व्यावहारिक इनपुट प्रदान करेगी।

वोट ऑफ थैंक्स का प्रस्ताव पीआरसी के डॉ दिलीप कुमार ने किया था, उन्होंने सेमिनार में डॉ अजीत कुमार, श्री शैलेंद्र सौरव और श्री अरुण कुमार सिन्हा आदि लोगों की सहयोग के लिए भी आभार दिया । उद्घाटन के बाद एक पूर्ण सत्र हुआ। इस सत्र का व्यापक विषय था "स्वास्थ्य और विकास", जिसमें जनसंख्या परिषद के डॉo निरंजन सगुरुति, एनआईपीएचटीआर के डॉo दीपक राउत, केयर इंडिया के डॉo हेमंत कुमार जीo शाह और टीआईएसएस से प्रोo अश्विनी कुमार ने प्रोo केo एसo जेम्स के अध्यक्षता में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

इसके बाद पटना साइंस कॉलेज परिसर में तीन अलग-अलग स्थानों पर दोपहर 2:30 से शाम 6:45 तक छह समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र का विषय "सांख्यिकी और स्वास्थ्य विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय मॉडल" था, यह भूविज्ञान विभाग के सभागार में, जिसमें चर्चा की अध्यक्ष प्रोo सईद यूनिसा थी। भौतिकी विभाग में द्वितीय तकनीकी सत्र की थीम "बिहार की जनसांख्यिकी" थी, जिसमें अध्यक्ष प्रोo रास बिहारी प्रसाद सिंह थे। स्टेटिस्टिक्स विभाग, पीयू में तीसरा तकनीकी सत्र जिसका थीम "डेमोग्राफी ऑफ एजिंग" थी, जिसमें चर्चा करने वाले प्रोफेसर सुरेश जांगरी, पुणे विश्वविद्यालय थे, चौथे तकनीकी सत्र के लिए थीम "स्वास्थ्य असमानता और सामाजिक-आर्थिक कल्याण" भूविज्ञान विभाग के सभागार में थी, जिसमें चर्चा में डॉo नंदिता सैकिस, जेएनयू और अध्यक्ष प्रो केएन पासवान, पटना विश्वविद्यालय थे। भौतिकी विभाग में पाँचवें तकनीकी सत्र का विषय "परिवार की जनसांख्यिकी और प्रजनन स्वास्थ्य" था, जिसमें चर्चा करने वाले डॉo मुकेश रंजन, मिज़ोरम विश्वविद्यालय और अध्यक्ष प्रो डॉली सिन्हा, पटना विश्वविद्यालय थे। सांख्यिकी विभाग, पीयू में छठे तकनीकी सत्र का विषय "स्वास्थ्य नीतियों और समावेशी विकास का विकास" था, जिसमें चर्चा करने वाले डॉo अभय तिवारी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और अध्यक्ष प्रोo अंचला कुमारी थे।